# हिंदी

# गोंडी

# शब्दकोष

मुस्कान द्वारा प्रकाशित

| क्रमांक | विवरण | पेज क्रमांक |
|---|---|---|
| 1 | जानवरों के नाम | 1 |
| 2 | कुत्ता, जुआं | 2 |
| 3 | पानी, गाय, सुअर | 3 |
| 4 | हाथी, सांप | 4 |
| 5 | सब्जियों के नाम व वाक्य | 5 |
| 6 | फलों के नाम व वाक्य | 6 |
| 7 | रिश्तेदार, बरसात | 7 |
| 8 | मां और पापा | 8 |
| 9 | लड़का और लड़की | 8 |
| 10 | क्रियाएं | 9 |
| 11 | क्रियाओं से जुड़े वाक्य | 10 — 12 |
| 12 | गिनती और नाप | 13 |
| 13 | प्रकृति, मौसम, घर का सामान | 14 — 15 |
| 14 | पहनने का सामान | 16 |
| 15 | सजने का सामान | 16 |
| 16 | लड़ाई झगड़ा | 16 |
| 17 | कुछ काम की चीजे | 16 |
| 18 | शरीर के अंग | 16 |
| 19 | कुछ और शब्द, | 17 |
| 20 | जबलपुर में गोंड समाज | 18 |
| 20 | गोंड देवता | 19 |
| 21 | रायपुर में , रम्हे आजी ने बताया | 20 |
| 22 | गीत | 21 |

## जानवरों के नाम

अजगर – अजगर
इल्ली – पुड़ी
उॅल्लू – घुघुआल
ऊॅट – हूटुम
कछुआ – कछुआ
कौआ – कावाल
केचुआ – नाड़वास
कोकरोच – काकरोच
केकड़ा – केकड़ाल
कुत्ता – नई
कबूतर – परेवाल
खटमल – खटमल
खरगोश – मल्लोड़
गधा – गद्धा
गैंड़ा – गेंडा
गिरगिट – डोक्के
गाय – कोंदा
गिलहरी – चिर्राल
घोंघा – घेंघा
घोड़ा – कोडा
चीता – बुंदीबाग
चील – बाज
छुछुंदर – छुछु
जुआ – पड़की
जोंक – दड़सका
चींटी – पत्ते
चूहा – अल्ली
चिड़िया – पिट्टे
झिंगुर – फाफे
डाईनासोर – टटास
तितली – फिफली
पेट के कीड़े – पठार, सिंकोली
बन्दर – बंदराल
बैल – सांढियाल
बाघ – पुलियाल
बिल्ली – बिलाल
बत्तख – बदक
बुलबुल – भूतपिट्टे
भेंड़ – भेंडाल
भेड़िया – कोल्हीयालनई
भैंस – बोदाल
मोर – मंजूर
मगरमच्छ – मोंगड़ाल
भालू – अड़जाल
मक्खी – वीसी
मच्छर – नुल्ले
मैना – मैनाल
मेंढक – पन्ने
मकड़ी – मेकड़ाल
मुर्गी – कोर
मछली – मीन
रेशम कीड़ा – रेशम पुड़ी
लोमड़ी – कोल्हीयाल
वनमानुश – बनमानुख
शेर – पुलियाल
सुअर – पद्दी
सारस –कोकड़ाल
सांप – तड़ास
हिरण – हरनाल
हाथी – हाती

**कुत्ता – नई**
**जुआ – पड़की**

**जब नना चुडुर मंजी असके नना नइ त पड़की हुड़दान।**
जब मैं छोटी थी तब मैं कुत्ते का जुआ देखती थी।

**रमा दीदी नैक कून वरीयता।**
रमा दीदी कुत्तों से डरती हैं।

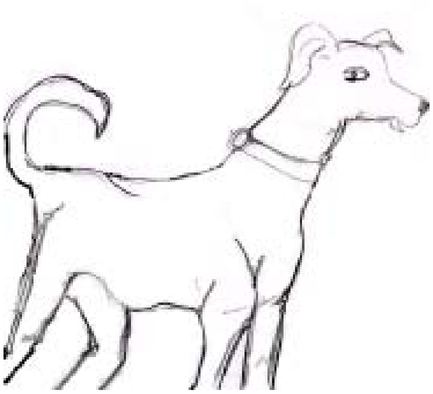

**नरेश गौतम नगर बस्ती ते मंतोर। पिर नेटी काडी ते नोड़े दोहतोर अनी सबकून वर्हीयतोर ।**
नरेश गौतम नगर बस्ती में रहता है। वो बरसात के दिनों में लकड़ी में धागा बांधकर मेंढक के पैर को फसा लेता हैं और सबको डराता हैं।

**मावा बस्ती ते नैक मावा डेरा ते सुंजिता अनी खदे केकी ते डैयों ।**
हमारी बस्ती में कुत्ते हमारे घरों में सोते हैं उनको भगाओ तो जाते हैं

**शनिवार ते नना जब डेरा ते हन्तना ते नावा दाई नावा पड़की हुड़सता।**
शनिवार को जब मैं घर जाती हूँ तो मेरी मां मेरे जुआ देख देती हैं।

**पानी – येर**

**जानकी रोज येर न्हिचि तर्रीता।**
जानकी रोज पानी भरकर लाती हैं।

**येर ते कचुल सुनसुनिया भाजी साजिता।**
पानी के पास सुनसुनिया भाजी उगती हैं।

**ढोडा ने वल्हेके येर मंता ते अगा येर केलनाट।**

तालाबो में ज्यादा पानी होता है जहां हम नहाते है।

**गाय – कोंदा**
**सुअर – पद्दी**

**कोंदा त सड़ेपी ते डेरा नू उसीतां।**
गाय के गोबर से घरों को लीपते है।

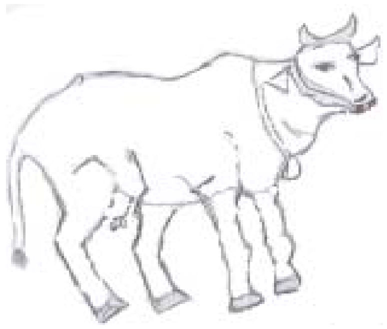

**नावा डेरा त रोज उंदी कोंदा वांदु ताने माल उंडना सोभता लागदु।**
मेरे घर में रोज एक गाय आती थी। उसको माढ़ पीना अच्छा लगता था।

**मावा आजी – दादील्क इन्तोड़ कि वोड़क्ना दाई – बूआल्क मुन्ने पद्दी न शिकार किंदूड़।**
हमारे दादा –दादी कहते हैं कि उनके माता पिता सुअरों का शिकार करते थे।

**हाथी–हाती**
**साप – तड़ास**

**हाती सबकले सज्जोर जानवर आन्द।**
हाथी सबसे बड़ा जानवर हैं।

**मावा डेरा तोड़ी अनी पन्नी त बने आता। तान्लाय तड़ास मावा डेरा ने बगडले बी वासता।**
हमारे घर मिट्टी और पन्नी के बने है। इस कारण से हमारे घरों मे सांप कहीं से भी आ जाते हैं ।

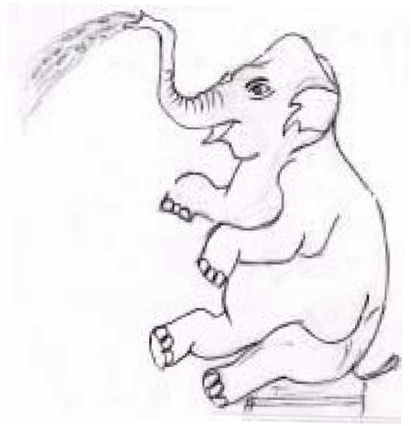

**मधु न एटी छव्वा आंदू ते मधु ताना मदद कीतू।**
मधु ने अपनी बकरी को बच्चा होते समय मदद की।

**हाती अपेन्ता सूंढ ताल येर उन्ता।**
हाथी अपने सूंड से पानी पीता हैं।

## सब्ज़ियों के नाम

अदरक – आदा
आलू – आलू
कचालू – कोचय
करेला – करला
खीरा – आहकुम
गिल्की – गिल्की
गाजर – गाजर
चुकन्दर – कांदा
चावल – नुका
चौलइ – चवलइ
टिन्ड़ा – टिन्डे
टमाटर – पताली
तोरई – गिल्की
दाल – दाडी
धनिया – सम्हार
नीबू – लिंबू
पालक – पालक
प्याज – गोंदली
पत्तागोभी – बन्दागोभी
फुलगोभी – गोभी
भिण्ड़ी – भेण्ड़ी
भतवा – भतवा भाजी
मशरूम – फूटू
मटर – बटरा
मूली – मुरई
सोयाबीन – सोयाबिन
सेमफली – जाटा
नीबू – लिंबू

**टमाटर – पताली**
**भातवा – भातवा भाजी**

**पताली त मसाला कड़ी भारी सोभता लागीता।**
टमाटर की मसाला कड़ी बहुत अच्छी लगती हैं।

**भतवा भाजी तुन गीता न दाई भारी सोभता अट्टीता।**
गीता की मॉं भातवा भाजी को बहुत अच्छा बनाती है।

**प्याज़ – गोंदली**
**अद्दी दिन्क ने नाकुन बासी जावा सा गोंदली अनी मरका त चटनी तिंदना सोभता लागीता।**

गर्मीयों में मुझे बासी चावल के साथ प्याज़ और आम की चटनी खाना अच्छा लगता हैं।

## फलों के नाम

अनानास – अनासफल
आम – मरका
आड़ू – आडु
आलूबुखारा – लालपताली
अंगूर – अगुंल
इमली – छित्ता
केला – केरा
खरबूज – फूट
चीकू – चीकू
चुकंदर – कांदा
तरबूज – कलिंदर
नींबू – लिंबू
नारियल – नरिहेल
पपीता – पपय
मुगंफली – मुमफली
मौसम्बी – मुसब्बी

**नीबू – लिंबू**
**मावा कुल देवी काली मैयान्गा**
**लिंबू तर्गीता।**

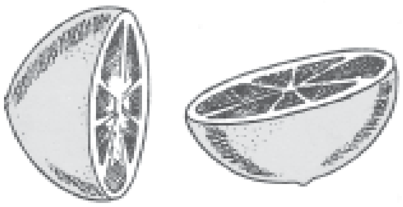

हमारी कुलदेवी काली मां के पास
निबू चढ़ता है।

**इमली – छित्ता**
**पेड़ – मड़ा**

**भारती न दाई बसके बेसन**
**अट्टीता असके अगा छित्ता**
**दोस्सीता।**

भारती की मां जब बेसन बनाती हैं
तो वह उसमे
इमली डालती हैं।

## रिश्तेदार

चाचा – काका
चाची – काकी
जेठानी – जठानी
जीजा – भाटा
ताऊ – बड़बुआ
दादा – दादी
दीदी – सेलाड़
दोस्त – दोस्त
देवर – सरडू
देवरानी – दरानी
नाना – दादी
नानी – आजी
ननद – सरडार
पापा – बुआ
पति – मिद्दो
पत्नी – माजू
पोता – नाती
पोती – नतनिन
बुआ – मामी
बहन – सेलाड़
बेटा – मर्री
बड़ी मॉ – बड़दाई
बड़ीबहन – सज्जोर सेलाड़
बेटी – मियाड़
बड़ाभाई – दादा
भाभी – भाभी
भाई – भाई
मॉ – दाई
नगबच्चा – कुडाके छव्वा
बहनोई – साला
मौसी – मौसी
मामा – मामा
मामा का लड़का – येनाल
मामा की लड़की – सांगो
सास – पोड़ार
ससुर – मुड़ियाल

**बरसात – पिर**

**नाकुन पिर ते पूरीना सोभता लागीता।**
मुझे बरसात में भीगना बहुत अच्छा लगता हैं।

**जलाना – मासिना**

**अमोट पिर ते पूरसी बसके डेरा ते हन्दोम ते मावा दाहीक माकून गोदड़ी मुछी सिंदु अनी मावालाय किस मास्सिंदु।**
जब हम लोग बारिश में भीगकर घर वापस जाते थे तब हमारी मां हमे रजाई ओढ़ा देती थी और हमारे लिये आग जला देती थी।

**पापा – बूआ**
**मां – दाई**

**नावा बूआल कल उंटोर। नना वोन समझे केतनान कि कल उनमा । मेंदोल तून नुकसान आयता।**
मेरे पापा दारू पीते है। मैं उन्हे समझाती हूॅ कि पापा दारू मत पिया

**नाकुन दाई न कइ ते अड़तालजावा सोभता लागीता।**
मुझे मां के हाथ का बना खाना अच्छा लगता है।

लड़का – पेडत्रगाल
लड़की – पेड़गी
आदमी – माड़साल
औरत – माजू
खूबसूरत सुंदर – सुघरो
बहन – सेलाड़

**राधाल नावा सेलाड़ आंदू। अदना कन्क सुघरों मंदा।**
राधा मेरी बहन हैं। उसकी आखें सुंदर हैं।

**नावा सेलाड़ पढ़े आयता।**
मेरी बहन पढ़ाई करती हैं।

**अदू अपेन्ता सेला न मदद केता।**
वह अपनी बहन की मदद करतह हैं।

**हीराल भारी सुघरो चित्र बने केतोर ।**
हीरा बहुत सुंदर चित्र बनाता हैं।

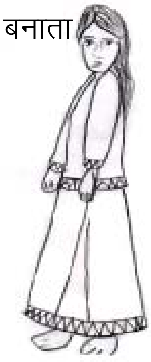

## क्रियाऐं

आना – वायना

आराम – मिन्डिना

उड़ना – उढ़ीयेआइना

करना – केना

करना – केना

काटना – नड़कीना

खेलना – गरसीना

खुदाई करना – कातीना

खाना पकाना – जावा अट्टिना

खाना – तिंदना

खोदना – कातीना

खोलना – तंडीना

गाना – वारीना

गिरना – अररीना

लड़ना – ढगाड़ा आयना

नहाना – येर केना

पीना – उंडना

दारूपीना – कल उंडना

दर्द होना – नोयना

गोदना – गोदे केना

लिखना – लिखे केना

पढ़ना – पढ़े आयना

भूख लगना – करू वस्सीना

तैरना – तैरे आयना

तोड़ना – उर्हीयना

बीनना – पर्रीना

शादी करना – मड़मी केना

डांटना – घुड़काड़े केना

प्यार करना – माया केना

पसंद करना – मांडीना

सोना – सुंजिना

देना – सेना

गरजना – चमकेमायता

घूमना – तिड़ियना

घुसना – सोड़ियना

चलना – ताकीना

चिल्लाना – किलियना

चाटना – नाकीना

चूमना – बुररीना

चखना – वन्डीना

झुकना – मुरसिना

**खेलना – गरसीना**
**हंसना – कव्वीना**

**नाकुन गरसीना अनी कव्वीना सोभता लागीता।**
मुझे खेलना और हंसना अच्छा लगता हैं।

**कव्वीना सेहत लाय अच्छा आयता।**
हंसना सेहत के लिए अच्छा होता हैं।

**वल्लेंगे छव्वा नू पढ़य ले वल्ले गरसीना अच्छा लागीता।**
ज्यादातर बच्चों को पढ़ाई से ज्यादा खेलना अच्छा लगता हैं।

**घूमना – तिड़ियना**
**खोदना – कातीना**

**नावा बूआल कातीना काम केतोर।**
मेरे पापा खुदाई का काम करते हैं।

**पिर दिन ते अमोट तोड़ी कातीताल अनी डेरा बने केताल।**
बरसात के दिनों में हम मिट्टी खोदते हैं और घर बनाते हैं।

**माकुन तिड़ियले हंदा वस्ता।**
हमे घुमने जाने की इच्छा हैं।

घर – डेरा
मिट्टी – तोड़ी

**मावा डेरा तोड़ी अनी पन्नी त बने आता।**
हमारा घर मिट्टी और पन्नी का बना हुआ हैं।

लेना – वोयना
सूनना – केंजिना
बोलना – वड़किना
जलाना – मासिना
थूकना – उसकिना
साफ करना – सफा केना
देखना – हुड़िना
डरना – वरीयना
भौंकना – मुहच्चिना
रहना – मंदना
सांस लेना – सांस येतिना
मरना – साइना
बड़े होना – सज्जोर आयना
चुप होना – कलचुप आयना
मुस्कुराना – मुसमुसे आयना
भागना – वितिना
हंसना – कव्वीना
रोना – अड़ीना
झाड़ना – सैयाना
चोरी करना – कल्लीना
कंघी करना – तसकीना
जाना – डैयना
पकड़ना – बैयना
नाचना – येंदिना

**दाईसोभता गाना वारीता।**
मां अच्छा गाना गाती हैं।

**छव्वां कल्क ने गरीसता ।**
बच्चे पत्थर से खैलते हैं।

**नाकून करू वस्ता**
मुझे भूख लगी हैं।

**दाई जावा तरा**
मां खाना दे।

**देखना – हुड़िना**

**नाचना – येन्दिना**

**वोन खेल हूड़ी वस्ता।**
उसे फिल्म देखना हैं।
**अदू येन्दिता ते तान हूड़सी ताना चुडुर सेलाड़ बि येन्दिता।**
वो नाचती है तो उसे देखकर असकी छोटी बहन भी नाचती है।

**लड़की – तूड़ी**
**गाना – वारीना**

**अदू तूड़ी कटियां पर्रीन लाय हत्ता।**
वह लड़की लकड़ी बिनने गई हैं।

**भारती थारी सोभता येन्दिता।**
भारती बहुत अच्छा नाचती हैं।

## रंगो के नाम

लाल – लाल
हरा – हरिहेर
पीला – कमकाल
गुलाबी – गुलापी
नीला – स्यही रंग
नारंगी – संतरा कलर
कत्थाई – कत्था कलर
सफेद – पंढरी
बैंगनी – टरेवाल कलर
जामुनी – जामुन कलर
सफेद – पंढरी

**मावा बस्ती ते बदे पंढरी दिकड़ी कर्रों।**
हमारी बस्ती में कोई भी सफेद साड़ी नही पहनता।

**नावा दाई नाकुन दिकड़ी कर्रीले इन्ता।**
मेरी मां मुझे साड़ी पहनने के लिए कहती हैं।

**हरा – हरिहेर**

**नावा दाई नालाय राखी ते हरिहेर दिकाडी येछिता।**
मेरी मॉ राखी पे हरी साडी खरीदी थी ।

## गिनती और नाप

एक – उन्दी
दो – रन
तीन – मून्द
चार – नालू
पांच – सैयू
छः – सारू
सात – येरू
आठ – अनमूर
नो – नो
दस – दस
बीस – वीसा
तीस – तीसा
सौ – नूर
दो सौ – रन न्हूक
हज़ार – हज्जार
लाख – लाक
कम – इचुरे
ज़्यादा – वल्ले
बहुत – वल्लेंगे
थोड़ा – इचुरना
एक हज़ार – उदी हजार
एक सौ दस – उदी नूर दस
एक सौ बीस – उदी नूर वीसा
दो सौ – रननुहूक
तीन सौ – मून नूहक
दूर – लक
पास –कचुल
बहुत पास – भारी कचुल
बड़ा – साजोर
छोटा – चुडुर
ऊँचा – लम्बोर
ऊपर – परो
नीचे – खाल
टिंगु – टिगनाल
नाटी – बुठवाल

**उंदी – एक**

**नना बसके चुडुर नना दाईन उंदी तलगदान।**
जब मैं छोटी थी तब मैं मां को एक रूपया मांगती थी।

**नूर – सौ**

**न्हूक वाड़े दस नोट कून मिले केकी ते उंदी हज्जार रु आयता।**
सौ के दस नोट को मिलाने पर एक हजार रु बनते हैं।

## प्रकृति और मौसम

सूरज – अददी
चॉंद – चंदाल
तारे – सुक्कूम
रात – नरका
दिनांक – दिन
पेड़ – मड़ा
पत्ती – आकी
फूल – फूल
आसमान – बादर
बादल – बादर
बारिश – पिर
गरमी – अद्‌दी
ठंदी – पिनी
गीला – काचो
सूखा – वत्ताल
बर्फ – बरफ
पहाड़ – पहाड़ी
जंगल – खेड़ा
नदी – ढोढा
समुद्र – समुंदर
पानी का छोटा गड्‌ढा – डबरा

## घर का सामान

चाबी – कुची
चटाई – कत्ती
चम्मच – चम्मच
चाकू – चक्कू
पलंग – पलंग
पंखा – पंख
खिड़की – खिड़की
दरवाजा – टाटी
घर – डेरा
छत – छत
दीवार – दीवाल
जमीन – भीया
रिबिन – फुदा
रजर – पक्ती
शीशी – सीसी
चकला – चकौटी
सुई – सुज्जी
बोतल – बोटल
बेलन – बलना
साबुन – साबुन
रस्सी – नोड़े
दाल – दाड़ी
दलिया – दरिया
अनाज – सोदा
चीनी – शक्कर
गेंहू – गोह्‌क
चावल – नुका
रोटी – साड़ी

**बुरी गालियॉ देना – फुऐर रांगिना**

**दूसरोना दाई–माईन अनी वोड़कना सेलहक कुन उल्टा–सीधा वड़किना।**
दूसरों की मॉ बहन को उल्टा सीधा बोलना।

**ताश गरसिने के झगड़ा आईना।**
पत्ते खेलने पर झगड़ना ।

**दुसरोना चारी केंछी जेना।**
बीवी को दुसरों की बाते सुनकर मारना।

**दाई बुआल छवा लाई झगड़ा आईतोड।**
मॉ–बाप बच्चो के लिए लड़ाई करते है।

**चुडू–चुडू बात केने झागड़ा आईना।**
छोटी–छोटी बातों पर झागड़ना।

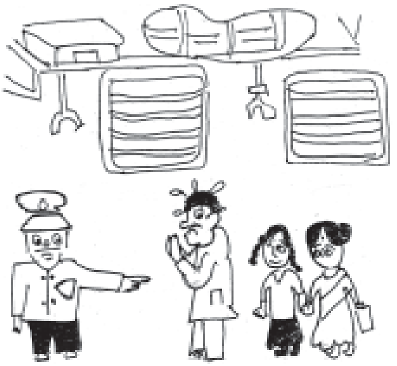

**येर माड़साल कल उंजी दुकान ते झागड़ा आयतोर।**
ये आदमी दारू पीकर दुकान में लड़ रहा है।

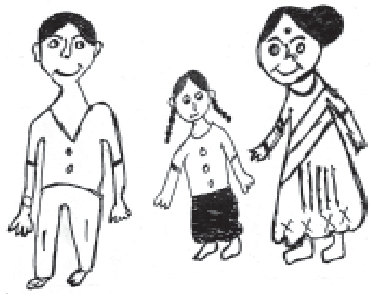

**नेंड नना नावा परिवार तून वल्हीयले वोयतना।**
आज मैं मेरे परिवार को घुमानें ले जा रहा हूं।

## पहनने वाली चीजे

शर्ट – कुर्ता
पेन्ट – फुलपेन्ट
साडी – दिकडी
सलवारशुट – सलवार कुर्ता
छाया – साया
लुहगी – धोती
बिलाउस – पलखेर
फ्राक – फराक
गमछा – टुआल
पट्टा – पट्टा
रूमाल – सॉफी
पगडी – पगडी
बनियान – बनियन
चड्डी – चड्डी

## सजना सवरना

झुमका – बाला
काजल – काजनी
बिन्दी – टिकली
कंघी – कंगी
चुडी – चुडी
क्लिप – चपकेन

## लडाई झगड़े मे क्या होता है

सिर फूटना – तल्ला वोरीना
लाठी मारना – कटिया ते जेना
छिल जाना – छलिये आईना
ईट से मारना – ईटा ते जेना
बाल खींचना – चुट्टी – चुट्टा आईना
पकड़ कर मारना – बेसी–बेसी जेना
घूसे मारना – बूक्का जेना

## काम में उपयोग करने वाली चीजे

रेत – खुदूर
मिट्टी – तोंड़ी
गिट्टी – गिट्टी
सीमेंन्ट – सिरमेंट
फावड़ा – रापा

## शरीर के अंगों के नाम

आंख – कन
अंगूठा – अंगठा
उगंलीया – अगंठी
कपाल – माथा
कान – कव्वी
कुल्हे – कुला
कमर – नड़ी
पेट – पीर

पीठ – परेकी
ठुड़डी– टाडवा
पलक – मिंदी
कंण्ठ–कचका
सिर – तल्ला
होठ – सिवली
दांत – पल
जीभ – वंजर
भोंहें – कोंडा
नथुने – नथना
शरीर – मेंदोल
पसली – पंजरी
हड्डी – हाडा
स्केल्प – खोपली
पेडू – पोथा
टांग – टंगरी
घुटना – ठोंगड़ो
कोहनी – घुटवा
तलवे – तलवा
पसली – पंजरी
हृदय – दिल
नाक – मसौर
बगल – खाकली
नाखुन – तिंडग
स्तन – छाती
दाढी – दाडी
मूंछे – मैछे
हाथ – कई
चेहरा – टोडी
बाल –. चुंदी

पैर – काल
बुखार – अड़की
पतला – पातरो
मोटा – मोटो
बीमार – रोगी
सुजनआना – तोयना
दस्त – झाड़ा
फुन्सी – फोड़ा

## और शब्द

कैसे – बताल
कहां – बगा
क्यों – बितिलाय
कब – बसके
कौन – बोर
मैं – नना
तुम – इमा
मेरा – नावा
तुम्हारा – निया
वो – वोर
हम – आपोल
हमारे – मावा
इनका – तेना
आज – नेन्ड
आने वाला कल – मनेटी
गया कल – अदनेटी
गुड़हाल का फूल – मंदार फूल
गेंदा – गोंदा
सूरजमुखी – सूरज फूल

## जबलपुर

पहले गोंड जनजाति के लोग काम के तलाश में इधर –उधर घूमते थे। वैसे भी वे लोग जंगल में रूके हुए थे। एक आादमी आया और उसने उन्हे काम के बारे में बताया। काम करने में ज्यादा समय लग सकता है यह भी उन्हे बताया गया। इनको काम की आवश्यकता थी इसलिये इन लोगो ने इन्कार नही किया।

जबलपुर में आधारताल में इन्हे तालाब खोदने का काम मिला था। क्योंकि गोंड जनजाति के लोग खुदाई के काम को ज्यादा महत्व देते हैं इसलिये इन्होने जबलपुर में रहते हुए दस सालो तक सिर्फ तालाबो की खुदाई करते रहें। इन्होने आधारताल में ही अपने लिये बेसरम की लकड़ियों से अपना घर बनाया। रम्हे आजी ने हमे बताया की जबलपुर के सारे तालाबों को हमने बनाया हैं। जब हम तालाबों की खुदाई कर रहे थे उस समय हमारे पास ज्यादा कपड़े नही थे हम साड़ी को घुटने तक लपेटकर पहनते थे और मिट्टी से सिर धोते थे , राख से कपड़े धोते थे। किसी के बीमार होने पर गोली दवाई के लिए पैसे नही होते थे। जान पहचान के तांत्रिक से झाड़ – फूक करवा लेते थे।

एक बार काम करते वक्त एक 15–16 की लड़की को माता निकल आई थी उस समय उसके माता पिता के पास दवाईयों के लिये कुछ नही था न कोई पहचान का तांत्रिक था जिस कारण लड़की की मौत हो गई सिर्फ एक दिन माता निकलने की वजह से। लोगो ने एक बैलगाड़ी की लाश को गड्ढे में डाल कर चले गये। कुर्के आजी ने बताया कि पहले वे लोग यह नही जानते थे के लाशो को जलाया जाता हैं।

## गोंड समाज में देव पूजा

गोंड समाज में छोटा देव और बड़े देव को मानते हैं। अपने परिवार या अपने कुटुम्ब के लोग जो मर चुके हैं इनको भी हम देवो के रूप में मानते हैं। गोंड समाज में देव को मानने की प्रक्रिया पीढ़ीयो तक चला आ रही हैं और आने वाली पीढ़ी को भी इसे मानना ही पड़ेगा। लड़को के साथ देव रहता ही हैं।लड़कियों की शादी हो जाने के बाद उनका देव भी बदल जाता हैं।

गोंड समाज में देव बर्तनो और चूल्हो में होता है इसलिए खना बनाने वाले बर्तनो में , हुण्डो में और कढ़ाई में तथा प्लेट में खाने से देव शरीर में लग जाता है और तकलीफ पहुंचाता हैं। देव को शरीर से छुड़ाने के लिए उसकी पूजा करनी होती हैं। बर्तनो पर रखा जाने से भी देव पकड़ लेता हैं। जैसे किसी गर्भवती महिला का पैर किसी बर्तन पर रखा गया हो तब देव गर्भ में पल रहे बच्चे को गिरा देता है और
कभी उस महिला को गर्भ से नही रहने देता। बर्तनो तथा चूल्हे पर कभी पैर नही रखना चाहिए और अगर पैर रखा जाए तो तुरंत उस बर्तन या चूल्हे के पैर पड़ना चाहिए।
ऐसा भी कंहा जाता है कि जिस बर्तन मे खाना बनाया गया हो उस बर्तन मे खाना नही खाना चाहिए। खाना बन जाने के बाद चूल्हे में देव को भोग लगाना चाहिए। उसके बाद खाना खाना चाहिए।

## रायपुर

रायपुर में बस जाने के बाद से लेकर अब तक गोंड समाज के लोगो का रहन सहन नही बदला है आजकल के बच्चों ने भले अपने कपड़ो में परिवर्तन किया है लेकिन पुरानी पीढ़ी ने अपने ओड़ने पहनने की वस्तुओ मे कोई बदलाव नही किया हैं। रायपुर मे अभी गोंडी महिलाए साड़ी को पूरे शरीर पर घुटनो तक लपेटकर पहनती है। वे अभी भी ब्लाउज़ नही पहनती हैं।

**रम्हे आजी –** पहले हम जब 10–12 साल के थे तब हम नंगे घुमते थे। कमर मे एक नाड़ा बांधकर एक कपड़ा बांधते जैसे पेंटी पहनते हैं। उपर कुछ नही रहता था। राख से गोदड़ी वगैरह धोते थे और रीठे से सिर धोते थे। महिने से होने पर बर्तनो को नही छूते थे और अभी भी नही छूते है। महिनावारा से शुध्द होने के लिए शागोन के राख से नहाते थे। झरनो का पानी पीते थे। जब झरने नही मिलते थे तब कुआं खेदकर पानी पीते थे।

रम्हे आजी गंगा नगर बस्ती मे रहती हैं। इन्होने हमें गोंड समाज के बारे में जानकारी देने मे सहायता की हैं।

## गीत

### सांगो से मजाक करते हुए

सांगो बाई ना संगने येंदाना वो जेका गोला सा न न न
सांगो बाई ना संगने येंदाना वो जेका गोला सा न न न

झुमुर – झुमुर पिर वायता दिसो निया डेरा
झुमुर – झुमुर पिर वायता दिसो निया डेरा
इमा वायका इंजी मत्नि सांगो वो बारह बजे ता ये बेलाते

तरा सांगो मीन गाटो बंगला बैसी दाका
तरा सांगो मीन गाटो बंगला बैसी दाका
इमा सेका इंजी मत्नि सांगो वो बारह बजे ता ये बेलाते

हन सांगो भुसुर बैसी बोट्टे ढेक्कीलात
हन सांगो भुसुर बैसी बोट्टे ढेक्कीलात
इमा हंदका इंजी मत्नि सांगो वो बारह बजे ता ये बेलाते

कन्की ता गाटो अनी चौराटा ता भाजी
कन्की ता गाटो अनी चौराटा ता भाजी
इमा तिन्दका इंजी मत्नि सांगो वो बारह बजे ता ये बेलाते

पुपुल दाड़ी – पुपुल दाड़ी जल्दी वैयो दाड़ी
बाड़ी वयवी वो नावा ओण्डा ता पोण्डली बाड़ी वयवी

झुमुर – झुमुर पिर वायता दिसो निया डेरा
झुमुर – झुमुर पिर वायता दिसो निया डेरा
इमा वायका इंजी मत्नि सांगो वो बारह बजे ता ये बेलाते

# Hindi

# And Gondi

# Dictionary

Typing And Designing by ,Bharti,Preeti,Geeta
Pictures are made by Pooja and bharti, geeta